अनौपचारिक पत्र के उदाहरण

मित्र को ग्रीष्मावकाश साथ बिताने के लिए पत्र।

27-लाजपत नगर
नई दिल्ली।
9 जनवरी, 20××
प्रिय मित्र सौरभ,
सप्रेम नमस्ते।

आज तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इन गर्मियों की छुट्टी में तुम कहीं भ्रमण का कार्यक्रम बना रहे हो। मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि ये छुट्टियाँ तुम मेरे साथ बिताओ। मैंने ग्रीष्मावकाश में गाँव जाने का कार्यक्रम बनाया है। गर्मियों में वहाँ सारी दोपहरी आम के बगीचों में आम तोड़ते हुए बिताना तथा शाम को लहलहाते खेतों में घूमना मन को बहुत सकून देता है। अगर तुम साथ रहोगे तो यह आनंद दोगुना हो जाएगा। मेरी इस योजना पर विचार करना तथा अपने फैसले से मुझे शीघ्र अवगत कराना।

माता पिता को मेरा प्रणाम कहना एवं छोटू को प्यार। पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में,
तुम्हारा अभिन्न मित्र
आनंद

अपनी भूल (विद्यालय से अनुपस्थित) के लिए क्षमा माँगते हुए पिताजी को पत्र।

विवेकानंद छात्रावास
केंन्द्रीय विद्यालय,
एंड्रयूज़गंज, नई दिल्ली।
02 सितंबर 20××
पूज्य पिताजी,
सादर चरण स्पर्श।

मैं स्वयं सकुशल रहकर आप लोगों की कुशलता की कामना करता हूँ। कल शाम को आपके पत्र से पता चला कि आप लोग मेरे विद्यालय से गायब रहने के कारण काफी नाराज हैं। पिताजी आप सभी का ऐसा करना स्वाभाविक भी है। इसके लिए मैं आप सभी से क्षमा माँगता हूँ।

पिताजी, मेरे एक मित्र के पिता की तबीयत देहरादून में अचानक खराब हो गई। फोन पर यह पता चलने के बाद मैं भी मित्र के साथ देहरादून चला गया था। इसकी पुष्टि प्रधानाचार्य जी ने मित्र के पिता के पास फोन करके कर लिया है। फिर भी मैं भविष्य में बिना बताए ऐसा न करने का वचन देता हूँ। अपनी भूल के लिए एकबार पुनः क्षमा चाहते हुए,
आपका प्रिय पुत्र
सार्थक